



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

स्केलेरोडर्मा

के संस्करण 2016

1. स्केलेरोडर्मा क्या है?

1.1 यह क्या है?

स्केलेरोडर्मा एक यूनानी शब्द है जिसका अर्थ है सख्त चमड़ी। इस बीमारी में त्वचा चमकदार व सख्त हो जाती है। स्केलेरोडर्मा के दो भिन्न प्रकार हैं 1- सीमति (लोकलाइज्ड) 2- फैली हुयी (सिस्टेमिक) स्केलेरोडर्मा सीमति स्केलेरोडर्मा में बीमारी त्वचा व त्वचा के नीचे कोशिकाओं को प्रभावित करती है। इस बीमारी में आंख में यूवाइटिस व जोड़ों में गठिया रोग हो सकता है। यह एक धब्बे (मोर्फिया) या एक सख्त लकीर की तरह (लीनियर स्केलेरोडर्मा) हो सकती है। सिस्टेमिक स्केलेरोडर्मा (या सिस्टेमिक स्केलेरोसिस) में प्रक्रिया दूर तक फैली होती है और त्वचा के अतिरिक्त शरीर के अन्दरूनी अंग भी प्रभावित होते हैं।

1.2 यह कतिने लोगो में पायी जाती है?

स्केलेरोडर्मा एक असामान्य बीमारी है और यह 100000 बच्चों में अधिक से अधिक 3 बच्चों में पायी जाती है। अधिकांश बच्चों में सीमति स्केलेरोडर्मा पाया जाता है। यह बीमारी लडकियों को विशेषतया प्रभावित करती है। सिर्फ 10 प्रतिशत स्केलेरोडर्मा से प्रभावित बच्चों में सिस्टेमिक स्केलेरोसिस होता है।

1.3 इस बीमारी के क्या कारण हैं?

स्केलेरोडर्मा प्रज्वलन वाली बीमारी है पर प्रज्वलन का कारण पता नहीं है। पर शायद यह एक आटोइम्यून बीमारी है जिसमें बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली उसके शरीर के वरिद्ध कार्य करने लगती है। प्रज्वलन के कारण सूजन, गर्मी व फाइबरस पदार्थ ज्यादा बनते हैं।

1.4 क्या यह आनुवंशिक है?

नहीं स्केलेरोडर्मा के आनुवंशिक होने के कोई सबूत नहीं है बावजूद इसके कि कुछ परिवारों में

यह बीमारी एक से ज्यादा व्यक्ति में पायी गयी है।

1.5 क्या इससे बचाव संभव है?

नहीं इससे बचने का कोई साधन नहीं है। इसका मतलब है कि माता-पिता व मरीज इस बीमारी को होने से रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकते हैं।

1.6 क्या यह छुआछूत की बीमारी है?

नहीं कुछ कीटाणुओं के संक्रमण से इस बीमारी की शुरुआत हो सकती है पर यह बीमारी संक्रामक नहीं है और प्रभावित बच्चे को दूसरों से अलग करने की आवश्यकता नहीं है।